

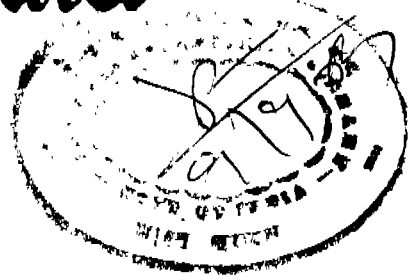


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 319]
No. 319]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 18, 1987/ज्येष्ठ 28, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 18, 1987/JYAISTHA 28, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय
(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 18 जून, 1987

अधिसूचना

सा. का. नि. 584 (अ) :—केन्द्र सरकार, महापत्तन
न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा
132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की
उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
न्यू मंगलूर पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और
इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट न्यू
मंगलूर पत्तन न्यास कर्मचारी (परिवार सुरक्षा) विनियम,
1987 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम, इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र
में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

[फाइल सं. पी. आर.—12016/9/86—पी. ई. 1]
पी. एम. अब्राहम, अपर सचिव

अनुसूची

न्यू मंगलूर पत्तन न्यास कर्मचारी (परिवार सुरक्षा) विनियम
1987

महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का
38) की धारा-28 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग,
करते हुए न्यू मंगलूर पत्तन न्यास मंडल एतद्द्वारा निम्न-
लिखित विनियम बनाता है :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—ये विनियम न्यू मंगलूर
पत्तन न्यास कर्मचारी (परिवार सुरक्षा) विनियम, 1987
कहे जाएंगे।

2. लागू किया जाना :—ये विनियम अन्य संगठनों में
प्रतिनियुक्ति पर गए व्यक्तियों सहित (अन्य संगठनों से
बोर्ड की सेवा में प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों सहित)
बोर्ड के सभी कर्मचारियों पर लागू होंगे।

3. उद्देश्य :—इन विनियमों का उद्देश्य सेवा में रहते हुए मरने वाले अथवा न्यास की सेवा में आगे बने रहने के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से अक्षम होने वाले पत्तन न्यास के कर्मचारियों के परिवारों को वित्तीय सहायता की उचित राशि उपलब्ध कराना है।

4. परिभाषा :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (क) “बोर्ड” तथा “अध्यक्ष” से प्रमुख पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 के अंतर्गत उन्हें निर्दिष्ट किया गया अर्थ अभिप्रेत है।
- (ख) “निधि” से नया मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी परिवार सुरक्षा निधि अभिप्रेत है।
- (ग) “समिति” से नीचे विनियम 6 के अंतर्गत गठित समिति है।
- (घ) “कर्मचारी” से दैनिक श्रमिकों को छोड़कर बोर्ड के सभी कर्मचारी अभिप्रेत है।
- (ङ) “अंग” से टांग या बाजू अभिप्रेत है।
- (च) “नामांकित” से पत्तन न्यास के कर्मचारियों पर लागू सामान्य भविष्य निधि नियमावली के अंतर्गत नामांकित किया गया व्यक्ति अभिप्रेत है।

5. निधि का गठन :—बोर्ड, कर्मचारियों तथा बोर्ड से अंशदान द्वारा एक निधि का निम्न प्रकार से गठन करेगा :

- (क) प्रत्येक कर्मचारी जो कि 28 वर्ष की आयु का नहीं हुआ है, 4 रुपए एवं अन्य कर्मचारी 5 रुपए का निधि में मासिक अंशदान करेगा।
- (ख) अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर निश्चित किए गए अन्तराल पर बोर्ड निधि में 50,000 रुपए का वार्षिक अंशदान करेगा।
- (ग) निधि के निवेश से समय-समय पर संचित ब्याज :
- (घ) बोर्ड तथा कर्मचारियों द्वारा अंशदान की मात्रा में समय-समय पर दुर्घटनाओं की औसत वार्षिक संख्या के आधार पर बोर्ड द्वारा परिवर्तन किया जा सकेगा।

निधि का प्रशासन :

- (क) अध्यक्ष द्वारा नामांकित किए गए तीन अधिकारियों की एक समिति निधि का संचालन करेगी।
- (ख) निधि में संचित रकम अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर निर्धारित ढंग से समिति द्वारा निवेश की जाएगी।

7. सलाहकार समिति :—योजना का संचालन करने के लिए नामांकित व्यक्तियों को छोड़कर प्रबंधक वर्ग के तीन अधिकारियों तथा कर्मचारियों के तीन प्रतिनिधियों की एक सलाहकार समिति अध्यक्ष द्वारा योजना के प्रशासन के लिए उन्हें परामर्श देने के लिए गठित की जाएगी।

8. सहायता की मात्रा :

- (क) दुर्घटना अथवा अन्यथा किसी कारण से झूटी पर रहने हुए मरने वाले अथवा किसी दुर्घटना द्वारा दो अंगों या दो आंखों की हानि द्वारा अपाकृत होने वाले प्रत्येक कर्मचारी के नामांकित व्यक्ति को 10,000 रुपए की एकमुश्त राशि अदा की जाएगी।
- (ख) सेवा में रहते हुए मरने वाले ऐसे कर्मचारी जो झूटी पर न हों, के नामांकित व्यक्ति को 5,000 रुपए की एक मुश्त राशि अदा की जाएगी।
- (ग) किसी नामांकित व्यक्ति के न होने पर राशि उस व्यक्ति को अदा की जाएगी जिसे साधारणतः पेंशन संबंधी लाभों की अदायगी की जानी है।

9. ऐसा कर्मचारी जिसने सेवा से त्याग-पत्र दे दिया हो, सेवा निवृत्त हो गया हो, अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त/हटा अथवा बर्खास्त कर दिया गया हो, के संबंध में अंशदान की वास्तविक राशि उसे ब्याज के बिना वापिस की जाएगी।

10. सामान्य :—

- (क) निधि के अन्तर्गत हकदारी ऐसे अन्य टर्मिनल लाभों के अतिरिक्त होगी जिसके लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से अक्षम व्यक्ति या मृतक का परिवार उसके सेवा नियमों के अन्तर्गत हकदार है।
- (ख) दावे का नियमन करने की पद्धति वह होगी जो कि अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गई हो।
- (ग) कर्मचारी द्वारा निधि में किया गया अंशदान इन विनियमों में दिए गए मामलों को छोड़कर अन्यथा वापस अदा नहीं किया जाएगा।
- (घ) निधि के संचालन से संबंधित मामलों के संबंध में अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 18th June, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 584(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the New Mangalore Port Trust Employees' (Family Security) Regulations, 1987 made by the Board of Trustees for the Port of New Mangalore and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[File No. PR-12016/9/86-PE-I]
P.M. ABRAHAM, Addl. Secy.

SCHEDULE

The New Mangalore Port Employees' (Family Security) Regulations, 1987

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the New Mangalore Port Trust Board hereby makes the following regulations :—

1. Short title and commencement.—These Regulations may be called "The New Mangalore Port Trust Employees' (Family Security) Regulations, 1987."

2. Application.—These Regulations shall apply to all employees of the Board inclusive of (those who are on deputation from other organisations in the service of the Board) and those on deputation to other Organisations.

3. Object.—The object of these Regulations is to provide a reasonable amount of financial relief to the families of the Port Trust Employees who either die while in service or become medically incapacitated for further continuance in the Trust's service.

4. Definition.—In these Regulations, unless the context otherwise requires :

- (a) 'Board' and 'Chairman' shall have the meaning assigned to them under the Major Port Trust Act, 1963.
- (b) 'Fund' means the NMPT Employees Family Security Fund.
- (c) 'Committee' means the Committee constituted under Regulation 6 below.
- (d) 'Employees' means all employees of the Board, other than Casual Labour.
- (e) 'Limb' means leg or arm.
- (f) 'Nominee' means the person nominated under the General Provident Fund Rules applicable to the employees of the Port Trust.

5. Constitution of the Fund.—The Board shall constitute a fund by contributing from the employees and the Board as under :

- (a) Every employee who has not attained the age of 28 shall make a monthly contribution of Rs. 4 and any other employee shall make a monthly contribution of Rs. 5 to the fund.
- (b) The Board shall make an annual contribution of Rs. 50,000 to the Fund at such intervals as may be decided upon by the Chairman from time to time.

(c) The interest accumulated from the investment of the Fund from time to time.

(d) The quantum of contribution by the Board and the employees shall be liable to alteration by the Board based on the average annual number of casualties from time to time.

6. Administration of the Fund :

- (a) A committee consisting of three officers nominated by the Chairman shall administer the fund.
- (b) The accumulations in the fund shall be invested by the Committee in the manner prescribed by the Chairman from time to time.

7. Advisory Committee : An Advisory consisting of three Officers of the Management other than those nominated for administering the scheme and three representatives of the employees shall be constituted by the Chairman to advise him on the Administration of Scheme. .

8. Quantum of Assistance :

- (a) A lumpsum amount of Rs. 10,000 shall be paid to the nominee of every employees who dies while on duty either due to accident or otherwise or who becomes wholly disabled by accident by loss of two limbs or two eyes.
- (b) A lumpsum amount of Rs 5,000 shall be paid to the nominee of the employee who dies while in service but not on duty.
- (c) In the absence of a nominee, the amount shall be paid to the person to whom the pensionary benefits are normally payable.

9. In respect of an employee who has resigned, super-annuated, compulsorily retired, discharged, dismissed or removed from service, the actual amount of contribution shall become refundable to him without interest.

10. General :

- (a) The entitlement under the fund shall be in addition to any other terminal benefits to which the medically incapacitated employee or the family of the deceased is entitled to under his service rules.
- (b) The procedure to regulate the claim shall be as laid down by the Chairman from time to time.
- (c) The contribution made by the employee to the Fund shall not be refunded except as otherwise provided in these regulations.
- (d) The decision of the Chairman shall be final in respect of all matters connected with the administration of the fund.

